

***Rajarshi Shahu Mahavidyalaya , (Autonomous) Latur***

***Composition of Board of Studies***

***Term : Three years (For the Year 2018-19 to 2020-2021)***

***Faculty : Arts***

***Name of Subject : Hindi***

<b>Name of HoD &amp; other faculty member</b>	<b>Two Subject experts from outside the Parent University nominated by Academic Council</b>	<b>One expert by V.C. from panel of 06 recommended by the college principal</b>	<b>One from industry/ corporate/ allied area relating to Placement</b>	<b>One PG meritorious alumnus by principal</b>	<b>Expert from outside for special courses (Co-option)</b>	<b>Other members of the staff of the same faculty.</b>
<b>1. Dr. Pallavi B. Patil</b>	<b>Dr. Jogendrasingh Bisen</b>	<b>Dr. R.M. Jadhav</b>	<b>Shri. Ganesh Mathpati</b>	<b>Prof. Balaji P.Suryawanshi</b>		<b>Dr. Sambhaji Patil</b>
<b>2. Prof. S.R. Chavan</b>	<b>Dr. Sadanand K. Bhosale</b>					
<b>3. Prof. A.D. Landge</b>						

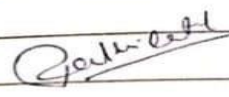
1) 02 MAY 2018


Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi तिथि 02 मई 2018


पाठ्यक्रम समिति की बैठक का नमिर्त


स्वागत महाविद्यालय के वी.ए. तृतीय वर्ष के तीनों ऐलिक वीजपत्र के दोनों आचनेका पाठ्यक्रम निगोजन समिति की बैठक हिंदी विभाग में समय 11:00 बजे हुई उन सभी सदस्यों का पाठ्यक्रम समिति की अध्यक्षता डॉ. पल्लवी पाटील में उमने स्वागत किया।

उपस्थित सदस्य -


1) डॉ. पल्लवी पाटील - 

2) प्रो. सूरकांत चव्हाण - 

3) प्रो. ए. डी. लांडगे - 

4) डॉ. एम. एस. माने - 

5) डॉ. संभाजी पाटील -

6) प्रो. वालाजी स्वर्गवशी - 

7) डॉ. संभाजी पाटील -

CS Scanned with CamScanner Page No. 5



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

आयन - III

वैजपत्र - काव्यसृजन एवं काव्य मैत्रिषा - VI ऐच्छिक

- इकाई - I - काव्य सृजन की प्रक्रिया, अदिकाल की पृष्ठभूमि  
इकाई - II - भक्तिकाल का प्रवृत्तिगत अध्ययन, कबीर सूरदास के दोहे  
इकाई - III - तुलसीदास की चौपाइयाँ सूरदास के वद  
इकाई - IV - जायसी  
इकाई - V - शैविकाल का प्रवृत्तिगत अध्ययन, बिहारी  
इकाई - VI - भूषण

आयन IV

- इकाई - I - भारतेन्दु युग की पृष्ठभूमि, द्विवेदीयुगीन प्रवृत्तियाँ  
इकाई - II - कसौटी (चौपदे) हरिऔध  
इकाई - III - 1 छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ 2 तोड़ती पत्थर - निराला  
इकाई - IV - 1 प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ, 2 ताज - पंन  
इकाई - V - 1 प्रयोगवाद प्रवृत्तियाँ 2 नदी के वदीप - अज्ञेय  
इकाई - VI - 1 कहौर तुम याद औ नीच बाने भगे - मुलेमान खन्नी  
2 ॐ इस आत्महत्या को अब कलें जोड़ें - रमेश जोशी



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

3) वी.ए. वी. कौम. वी. एस्सी द्वितीय वर्ष द्वितीय भाषा एवं साहित्य विषय के CBCS पैटर्न में जैसे के बैसे लागू किया जाए।

2) प्रा. सूर्यकांत रूपाण -

1) प्रयोजनमूलक हिंदी वृत्तिपत्र का पाठ्यक्रम भाषिक होम के कारण प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयुक्त होने निकाला गया।

2) कौशल के हिसाब से छात्र सृजन की प्रक्रिया जोड़ी जाए।

3) दक्षिणी कविता को नुस गार वदुव ही गार असे जोड़ने का प्रस्ताव और जोड़ने का प्रस्ताव

3) प्रा. अमोल लांडगे -

1) रिपोर्ताज, डॉक्यूमेंटरी, विज्ञापन लेखन आदिको निकाला जाए।

2) वृत्तिपत्र को छात्र सृजन एवं काव्य संभूता ऐसा अधिक दिया जाए।

फैसला (निर्णय) - उपर्युक्त सुझावों के आधार पर वी.ए.

वी. कौम. वी. एस्सी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय भाषा तथा

साहित्य विषय के सभी पाठ्यक्रम को CBCS पैटर्न में जैसे के बैसे लागू करने में सहमति दी। पश्चिमी वी.ए. द्वितीय

वर्ष के पाठ्यक्रम निश्चित हुआ





Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**  
**MINUTES BOOK**  
Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

कार्यसूची (एजेंडा)

1) बी.ए. तृतीय वर्ष ऐच्छिक हिंदी तीनों वीजपत्र के शीर्षक निश्चित करना।

2) बी.ए. बी.कॉम, बी.एस्सी. द्वितीय वर्ष के दोनों आयन के पाठ्यक्रम (CBCS) पैटर्न के अनुसार (कुल अंक 50) निश्चित करना।

3) बी.ए. द्वितीय वर्ष ऐच्छिक विषय के दोनों वीजपत्र के दोनों आयन के पाठ्यक्रम को CBCS पैटर्न के अनुसार (कुल अंक 75) निश्चित करना।

सुझाव :-

1) डॉ. पल्लवी पाटील -

ग. भाषा विज्ञान तथा विविध विमर्श वीजपत्रिका के अंतर्गत स्त्रीविमर्श के साथ 'स्त्रोगी नहीं राक्षिका' यह उपन्यास जोड़ दिया जाए और स्त्रीत्ववाद, उत्तरस्त्रीत्ववाद निकाला जाए।

2) दलित विमर्श के साथ 'मूक' यह आत्मकथा को जोड़ दिया जाए।



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

आयन-III

बीजपत्र - निबंध कौशल - VIII ऐतिहासिक -

- इकाई - I - निबंध की परिभाषा , कला  
इकाई - II - ६ साल का नया दिन - शिवारामशरण शुक्ल  
६ अथ - आ. सुक्ल  
इकाई - III - लेसर - रोगियों को जीवनदान - दीक्षा विपट  
होना कुछ नहीं का - शरद जोशी  
इकाई IV - मेरे पिताजी - कन्हैयालाल मिश्र  
इकाई V - वडोदा का अनुभव - आंबेकर  
इकाई - VI - अजेय लोहपुरुष - वल्लभाई पटेल , सत्यकाम मिश्र

आयन - IV

- इकाई - I - निबंध के प्रकार  
इकाई - II - ६ शिक्षा का उद्देश्य - महादेवी वर्मा  
७ चरित्र का मानदण्ड - वासुदेवशरण आश्रवाल  
इकाई - III - 1) पहला स्फोट बाल - हरिसंकर परसाई  
२) भारतेंदु और फुष्किन - राहुल सांकृत्यायन  
इकाई - IV - बाबा आमटे - वर्तमान पोषकदार  
इकाई - V - मेरा लम्बम मेरा दोस्त कमलेश्वर - राजेन्द्र वास्व  
इकाई - VI - लेखकों का कार्य शिविर - समाधारी सिंह सिन्हा



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

आयन - III

बीजपत्र - भाषा शिक्षण एवं कुशेलर गद्य - 5.2

- इकाई - I - लेखन कौशल - अर्थ, अ उद्देश्य, प्रकार  
इकाई - II - लेखन कौशल को विकसित करने की प्रक्रिया एवं अंग  
इकाई - III - व्यंग्य स्वरूप - 1) खोले रहिये ओ लोके थार - सखेना  
2) खोज गरीबी के कारणों की - नरेन्द्र कोहली, लेखन के  
इकाई - IV - लेखन के बौद्धिक अंग एवं सृजनात्मक लेखन  
इकाई - V - परीक्षण  
इकाई - VI - कुशेलर गद्य - 1) गर्दिरा के दिन - कमलेश्वर  
2) मेरा संघर्ष - ओम प्रकाश वाल्मीकि

बीज पत्र - भाषा शिक्षण एवं गद्य साहित्य

आयन - IV

- इकाई - I - ① भाषण कौशल - अर्थ, महत्व ② भाषण  
कौशल को विकसित करने की प्रक्रिया  
इकाई - II - प्रभावी उच्चारण के गुण  
इकाई - III - कहानी - अस्थियों के अक्षर - शमराज सिंह  
इकाई - IV - भाषण प्रक्रिया के अंग एवं उद्देश्य  
इकाई - V - भाषण दोष और निराकरण  
इकाई - VI - एकांकी - II  
1) आवाज का नीलाम - डॉ. धर्मवीर भारती  
2) लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्रनाथ 'अश्व' 'अश्व'



2) 11.04.2019



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

11-04-2019

11.00 AM

हिंदी विभागकी विभागाध्यक्ष और  
अभ्यासमंडल की अध्यक्ष डॉ. पल्लवी पाटील की  
अध्यक्षता में आन अभ्यास मंडल के अन्य  
सदस्यों की उपस्थिति में स्वयंसेवक महाविद्यालय  
के. बी.ए. तृतीय (ऐच्छिक) वर्ष के दोनो  
सत्रों के पाठ्यक्रम नियोजन हेतु हिंदी विभाग  
में हिंदी अभ्यास मंडल की बैठक संपन्न हुई।

उपस्थित सदस्य:-

- 1) डॉ. पल्लवी पाटील -
- 2) डॉ. आर.एम. जाधव (V.T.) -
- 3) डॉ. नोगेन्द्रमिह बिसेन (A.C.M.) -
- 4) श्री. गणेश महापती (I.N.) -
- 5) प्रा. सूर्यकांत चव्हाण -
- 6) डॉ. नितीन माने -
- 7) प्रा. बालाजी सूर्यवंशी -
- 8) प्रा. बाबाजी जे. संभाजी पाटील -
- 9) प्रा. स.डी. लांडगे -





Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

इकाई - २ वक्रावृत्त सिद्धांत  
i) वक्रावृत्त का अर्थ, ऐतिहासिक परंपरा / विकास  
ii) वक्रावृत्त के भेद

इकाई - ३ औचिच्य सिद्धांत  
i) वक्रावृत्त का अर्थ औचिच्य की ऐतिहासिक परंपरा  
ii) औचिच्य के भेद ।

इकाई - ४ लीरो और अरस्तु  
i) लीरो का काव्य सिद्धांत  
ii) अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत

प्रश्न पत्र पूरा

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई - 1) प्रयोजनमूलक हिंदी

i) परिभाषा और स्वरूप

इकाई - २. कम्प्यूटर और हिंदी

i) कम्प्यूटर का सामान्य परिचय तथा उपयोगिता

ii) वेबसाइट के प्रकार

iii) इंटरनेट / ईमेल

iv) यूनिकोड

इकाई - ३ पटकथा लेखन

i) पटकथा का अर्थ

ii) पटकथा लेखन



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts  
Board of Studies : Hindi

ii) रस के अंग

इकाई - 3 अलंकार सिद्धांत

- i) अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप
- ii) अलंकार का वर्गीकरण

इकाई - 4 अलंकार के लक्षण

- अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा और विरोधाभास आदि (स्थापित करने एवं उदाहरण के साथ)

इकाई - 5 रीति सिद्धांत

- i) रीति का अर्थ
- ii) विविध आचार्यों के रीति संबंधी मत

प्रश्नपत्र III

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई - रीति सिद्धांत

- i) रीति के प्रकार
- ii) रीति के गुण
- iii) रीति की शैली



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

इकाई - 5

देवनागरी लिपी

- i) देवनागरी लिपी का नामकरण
- ii) देवनागरी लिपी की वैज्ञानिकता

प्रश्नपत्र VIII

भाषा विज्ञान तथा विविध विमर्श

सत्र - VI

इकाई 1 - उपन्यास - पंचपन खंबे लाल दिवारें - उषा प्रिय

इकाई - 2 - स्त्री विमर्श स्वरूप और संवेदना

इकाई - 3 - उपन्यास - जंगल जहाँ से शुरू होता है - संगीत

इकाई - 4 - आदिवासी विमर्श स्वरूप और संवेदना

प्रश्नपत्र - IX

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई - 1 i) काव्य हैकु

ii) काव्य प्रयोजन

इकाई - 2 रस सिद्धांत

i) रस का स्वरूप





Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur**

**MINUTES BOOK**

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

प्रश्नपत्रिका

प्रश्नपत्र - गुरु

बी.ए. (तृतीय) - सत्र - २

भाषा विज्ञान तथा विविध विमर्श

इकाई - 1 स्वर तथा व्यंजन - सामान्य परिचय

इकाई - 2 अर्थ विज्ञान

i) अर्थ की परिभाषा एवं स्वरूप

ii) अर्थ की अवधारणा

iii) शब्द और अर्थ का संबंध

iv) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई - 3 हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

i) वैदिक संस्कृत

ii) लौकिक संस्कृत

iii) पृथ्वी प्राकृत (पाली)

iv) द्वितीय प्राकृत (शाहीत्यिक प्राकृत)

v) तृतीय प्राकृत (अपभ्रंश)

इकाई - 4 हिंदी का भाषिक स्वरूप

i) उपसर्ग की परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार

ii) प्रत्यय की परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार

iii) लिंग का सामान्य परिचय

iv) कारक का सामान्य परिचय



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's  
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi

iii) परकथा के उदाहरण

इकाई - 9 विशासन

i) परिभाषा एवं विशेषताएँ

ii) विशासन की प्रक्रिया / प्रविधि

iii) विशासन के प्रकार

प्रश्नपत्र - रूप

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई - 1 i) आवेदन पत्र

ii) सरकारी पत्र

iii) व्यवसायिक पत्र

इकाई - 2 अनुवाद

i) परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया

ii) अनुवाद के गुण

इकाई - 3 जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय

i) मुद्रित जनसंचार माध्यम

ii) अजुष्य जनसंचार माध्यम

iii) दृश्य - अजुष्य जनसंचार माध्यम

इकाई - 4 पारिभाषिक शब्दवली

i) परिभाषा एवं विशेषताएँ

ii) विभिन्न दोस्त से चयनित 30 पारिभाषिक